Lecture No. – 31

Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper-IV
Date:- 27-8-20

DO-Next-class

Functionalism

Basic concept of Functionalism

(2) विलियम जेम्स का मनोविज्ञान (Psychology of William James):- इतिहासकारों ने विलियम जेम्स को प्रकार्यवाद का एक महत्वपूर्ण अग्रदूत (Important fore Runner) माना है। ऐसे लोगों का मत है कि विलियम जेम्स ने एक सम्प्रदाय के रूप में प्रकार्यवाद की संस्थापना अपनी प्रसिद्ध पुस्तक प्रिंसिपुल्स ऑफ साइकोलॉजी (Principles of Psychology, 1980) के दोनों जिल्दों (volumes) में कर चुके थे। जेम्स का मत था कि व्यक्ति के व्यवहार के अनुकूलन (adaptability) होते हैं और मनोवैज्ञानिक रूप से जीवित रहने के लिए प्राणी को अपने पर्यावरण के साथ समायोजन करना आवश्यक है। उनका यही विचार प्रकार्यवाद (Functionalism) के लिए सारतत्व (central theme) बन गया। इस तरह के अनुकूलन (adaptation) में मानसिक क्रियाओं तथा शारीरिक क्रियाओं दोनों की भूमिका होती है। इस तरह से जेम्स का मत था कि किसी भी व्यवहार में मन तथा शरीर दोनों ही सम्मिलित होते हैं। जेम्स का यह भी मत था की चेतन विकास (evolution) का ही परिणाम होता है। अन्य प्रकार्यों के समान चेतन का भी एक विशेष प्रकार्य (Function) होता है। 'उपयोगितावाद' (Pragmatism) पर जेम्स के जो विचार थे,

Scanned with CamScanner

प्रकार्यवाद की स्थापना पर उनके भी बड़े रोचक प्रभाव पड़ा एक उपयोगितावादी (Pragmatism) के रूप में वे इस तथ्य पर बल डाला की किसी भी ज्ञान का वैधीकरण (validation) उसके परिणामों (consequences) के रूप में किया जाना चाहिए। प्रकार्यवादी मनोवैज्ञानिकों द्वारा जेम्स के उपयोगितावाद को अपने मनोविज्ञान में शामिल उसके कार्यक्षेत्र को विकसीत किया गया।

इससे स्पष्ट हुआ की प्रकार्यवाद की स्थापना में स्पेंसर, डार्विन तथा वान्ट के विकासवादी विचारधाराओं का काफी प्रभाव पड़ा तथा इस दिशा में विलियम जेम्स के मनोविज्ञान को भी कम महत्वपूर्ण नहीं माना गया है।

End.

Scanned with CamScanner